रजिस्ट्री सं. डी. (डी.)-72 REGISTERED No D. (D)-72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 378] नई दिल्ली, शुक्रवार अगस्त 14, 1981/श्रावण 23, 1903
No. 378] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 14, 1981/SRAVANA 23, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1981

का. आ. 651 (अ)/18-चख/आई डी आर ए/81 :—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश संख्या का. आ. 506 (अ)-18-चख/आई डी आर ए/78, तारीख 18 अगस्त, 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चख की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति

के हस्तांतरण पत्रों, करारों व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखत का (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूति दायित्वों से सम्बन्धित हैं) जिनका मैसर्स श्री दुर्गा काटन स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लि., कोनागढ़, जिला हुगली, पश्चिमी बंगाल नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हो, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे ;

और उक्त आदेश की अवधि 17 अगस्त, 1981 जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, तक बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि एक वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चख की उपधारा (2) के साथ पठित उसकी उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को 17 अगस्त, 1982 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, बढ़ाती है ।

[फा. सं. 3(15)/77-सी यू एस]
सी. के. मोदी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 14th August, 1981

ORDER

S.O. 651(E)./18FB/IDRA/81.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 506(E)/18FB/IDRA/78, dated 18th August, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of publication of this order in the Official Gazette (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Sri Durga Cotton Spinning and Weaving Mills Limited, Konnagar, District Hooghly, West Bengal is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company, shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period ;

And, whereas the duration of the said Order was extended upto and inclusive of the 17th August, 1981;

And, whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (56 of 1951), the Central Government hereby further extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 17th August, 1982.

[F. No. 3(15)/77-CUS]

C. K. MODI Jt. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1981